SSLC FIRST BELL HINDI CLASS 9 UNIT 1

LESSON 3 टूटा पहिया

VICTERS CLASS LINK	LESSON 3 WS 3	SURESH K DPT OF HINDI MESHSS

पंक्तियाँ = LINES , വരികൾ
पहला = FIRST
दूसरा = SECOND
तीसरा = THIRD
प्रासंगिक = RELEVANCE , പ്രസക്തി
इतिहास = HISTORY , ചരിത്രം
सहसा = SUDDENLY , പെട്ടന്ന്
सच्चाई = TRUTH , സത്യം

Q1 . कविता में **"** मैं **"** शब्द का प्रयोग किसकेलिए किया है **?**

ANS . टूटे पहिये केलिए ।

Q2 . टूटे पहिये से क्या लाभ होता है ? अपने शब्दों में लिखें ?

ANS . टूटा पहिया उपयोगी वस्तु नहीं है , हम उसे छोड़ देते है। लेकिन उपेक्षित वस्तु य व्यक्ति भी हमारी सहायता कर सकते है। समय आने पर टूटा पहिये जैसी बेकार चीज़ें भी उपयोगी बन जाती है ।

कवी ने ने टूटे पहिये को उपेक्षित लखु मानव के रूप में प्रस्तुत किया है।
कविता के प्रतीकों को कवी ने महाभारत कथा से लिया है।

Q3 . महाभारत कथा से जुड़े कौन-कौन से शब्द कविता में है ?

ANS .

- **अभिमन्यू**
- **महारथी**
- **चक्रव्यूह**
- **अक्षौहिणी सेना**
- **ब्रह्मास्त्र**

Q4 . " दुरूह चक्रव्यूह " का प्रतीकात्मक अर्थ क्या हो सकता है ?

ANS . हमारे जीवन की समस्याओं को यहाँ दुरूह चक्रव्यूह बताया है। जैसे : गरीबी , असमानता , शोषण आदि ।

Q5 . कविता के आधार पर किसका पक्ष असत्य का है ? सही उत्तर चुनें :-

- अकेली निहत्थी आवाज़ का ।
- बड़े बड़े महारथी का ।

Q6 . "अकेली निहत्थी आवाज़ " का प्रतीकात्मक अर्थ और सूचित करता है ? सही उत्तर चुनें :-

- शोषकों की ओर ।
- शोषितों की ओर ।

Q7 . क्या हमारे समाज में भी अभिमन्यु जैसा साहसी लोग है या नहीं ?

ANS . जी हाँ आज भी समाज में अभिमन्यु जैसा साहसी लोग है ।

Q8 . क्या बे अपनी सीमित शक्ति को लेकर अनीति के विरुद्ध लड़ते हैं या नहीं ?

ANS . जी हाँ , वह अपनी सीमित शक्ति को लेकर अनीति के विरुद्ध लड़ते हैं , और सत्य के पक्ष में खड़े होने के लिए कुछ उपेक्षित लोग उनके साथ खड़े होते है ।

तब में
रथ का टूटा हुआ पहिया
उसके हाथों में
ब्रह्मास्त्रों से से
लोहा ले सकता हूँ

Q9 . इन पंक्तियों में चर्चित पौराणिक सन्दर्भ वर्त्तमान परिवेश में कहाँ तक प्रासंगिक है ?

ANS :

Q10 . " इतिहासों की सामूहिक गति सहसा झूठी पड़ना " इसका मतलब क्या है ?

ANS . इतिहास की गति सामूहिक है , इतिहास की इस सामूहिक गति कभी-कभी झूठी पड़ने लगती है यानी कोई पक्ष दूसरे पर अन्याय करता है . अधर्म करता है तब सत्य या धर्म के पक्ष को आश्रय मिलना ही चाहिए ,यह आश्रय टूटे पहिए की तरह शायद कोई दुर्बल ही हो वह सत्य की स्थापना करने में जरूर महत्वपूर्ण होंगे ।

कविता के मुख्य प्रतीक

- **अभिमन्यू**
- **महारथी**
- **चक्रव्यूह**
- **अक्षौहिणी सेना**
- **ब्रह्मास्त्र**

FROM WS 2

कविता के टिप्पणी (COMMENTARY OF THE POEM)

लिखते समय : ध्यान दें :::

- भूमिका - कवि परिचय , रचना का मूल उद्देश्य I (PRELUDE , INTRODUCTION)
- कविता का आशय I (MEANING OF THE POEM)
- भाषा और रचना की विशेषताएं I (FEATURES OF LANGUAGE AND COMPOSITION)
- विशेष पंक्तियों का उल्लेख I(MENTION OF SPECIAL LINES)
- शीर्षक की सार्थकता I (SIGNIFICANCE OF THE TITLE)
- निष्कर्ष I (CONCLUSION)

Q11 . कविता की टिपण्णी लिखें : -

टूटा पहिया कविता की टिप्पणी

धर्मवीर भारती हिन्दी के महान कवी है। टूटा पहिया महाभारत के प्रसंग पर लिखी एक कविता है। कौरव पक्ष के महारथी जानते थे कि अपना पक्ष असत्य का है। फिर भी उन्होंने चक्रव्यूह में फँसे अभिमन्यू की निहत्थी आवाज़ को ब्रह्मास्त्रों से कुचल डालना चाहा। तब अभिमन्यू ने एक टूटे पहिये से ब्रह्मास्त्रों से लोहा लिया था। यहाँ टूटा पहिया कहता है कि उसी प्रकार मैं किसी निरायुध के हाथ में आकर ब्रह्मास्त्रों से लोहा ले सकता हूँ । इतिहास की सामूहिक गति जब असत्य और अधर्म के मार्ग पर चलने लगती है , तब सत्य और धर्म की स्थापना के लिए सच्चाई को टूटे पहिए का आश्रय लेना पड़ेगा। यहाँ टूटा पहिया कहता है कि उसी प्रकार शोषकों के अत्याचार के विरुद्ध लड़नेवाले को टूटा पहिया यानी लघु या उपेक्षित मानव ही सहारा बनेगा।

यह वर्त्तमान परिवेश में लिखी कविता है। प्रस्तुत कविता में अनेक प्रतीक भी है ।

Q12. कविता के प्रतीकों को चुनकर खंबे में लिखें . वर्तमान परिवेश में प्रदीप किस का प्रतिनिधित्व करता होगा यह भी लिखें : -

प्रतीक	किस का प्रतिनिधित्व करता है

ANS .

प्रतीक	किसका प्रतिनिधित्व करता है
अभिमन्यु	धर्म के पक्ष में खड़े रहने वाला , महा मानव
टूटा पहिया	लघु मानव ,
महारथी	अधर्मी , अन्यायी , शोषक
चक्रव्यूह	समस्यायें
अक्षौहिणी सेना	महशक्ती का प्रतीक
ब्रह्मास्त्र	महशक्ती का प्रतीक

FROM WS 2

आज के सामाजिक परिवेश में " अभिमन्यू " और " टूटा पहिया " किन किन के प्रतीक हो सकते है ?

अभिमन्यु = **शोषित समाज का ।**

टूटा पहिया = **शोषकों के विरुद्ध लड़नेवाले लघु या उपेक्षित मानव ।**

अभिमन्यू = **समाज सुधारक ।**

टूटा पहिया = **निर्बल / साधारण व्यक्ति ।**

अभिमन्यु = **अधर्म के विरोधी का प्रतीक ।**

टूटा पहिया = **नैतिक मूल्य रखनेवाला व्यक्ति ।**

ब्रह्मास्त्र = **अधर्मी या शोषक के हाथ की महाशक्ती का प्रतीक है ।**

चक्रव्यूह = **मानव जीवन की समस्यायें । जिनसे निकलना नामुमकिन है ।**

टूटा पहिया = **उपेक्षित लघु मानव के रूप में ।**

अभिमन्यू = **अधर्म से लड़नेवाले महामानव के रूप में ।**

दुरूह चक्रव्यूह = **जीवन की समस्याऐं (गरीबी , असमानता , शोषण)**